नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–I

(संस्कृत साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. वेद की परिभाषा दीजिए । क्या वेद पौरुषेय अथवा अपौरुषेय हैं ? अपना अभिमत दीजिए ।
2. ऋग्वेद संहिता में संकलित संवाद–सूक्तों पर प्रकाश डालिए ।
3. वाजसनेयी संहिता का परिचय दीजिए ।
4. सामवेद के वर्ण्य–विषय पर प्रकाश डालिए ।
5. शतपथ–ब्राह्मण की प्राचीनता पर प्रकाश डालते हुये उसके महत्त्व पर अपना अभिमत दीजिए ।
6. उपनिषद् में रहस्य विद्या क्या है ? इस पर एक निबन्ध लिखिए ।
7. वेदाङ्ग से आप क्या समझते हैं ? उसके भेदों का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
8. ऋग्वेदीय आरण्यकों का परिचय दीजिए ।
9. रामायण के भाव–पक्ष एवं कला–पक्ष पर प्रकाश डालिए ।
10. महाभारत का पर्वानुसार परिचय दीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2016

M.A. Sanskrit, Part–I

Date	*Paper*	*Time*	*Examination Centre*
02.04.2016	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
04.04.2016	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
06.04.2016	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
08.04.2016	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
11.04.2016	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
12.04.2016	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
14.04.2016	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
16.04.2016	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–II

(लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. उत्कर्षकाल के महाकवि कालिदास का काव्यात्मक परिचय दीजिए ।
2. 'माघे सन्ति त्रयो गुणाः' का विवेचन कीजिए ।
3. श्रृंगारमूलक गीतिकाव्य में अमरूक कविका स्थान निरूपित कीजिए ।
4. गद्य–काव्य के भेदों को प्रदर्शित करते हुए उसकी विशेषताओं की समीक्षा कीजिए ।
5. लोक–कथा के उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए ।
6. बृहत्कथासे आप क्या समझते हैं ? उसके संस्करणमय पर प्रकाश डालिए ।
7. पंचतंत्र की विश्वव्यापकता पर प्रकाश डालिए ।
8. महाकवि शूद्रककी यथार्थवादिता मृच्छकटिकम के आधार पर सिद्ध कीजिए ।
9. संस्कृत नाट्य साहित्य का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
10. आधुनिक संस्कृत साहित्य का विवेचन प्रस्तुत कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2016

M.A. Sanskrit, Part–I

Date	***Paper***	***Time***	***Examination Centre***
02.04.2016	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
04.04.2016	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
06.04.2016	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
08.04.2016	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
11.04.2016	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
12.04.2016	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
14.04.2016	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
16.04.2016	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–III

(भाषा विज्ञान एवं लिपि विज्ञान)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. भाषा और विभाषा के अंतर का सम्यक निरूपण कीजिए ।
2. भारोपीय भाषा परिवार के उद्‌भव और नामकरण का विवेचन कीजिए ।
3. मध्यकालीन आर्य भाषा से आप क्या समझते हैं ? पालि भाषा की विशेषताएँ बताइये ।
4. मानस्वरों से क्या समझते हैं ? सोदाहरण उत्तर दीजिए ।
5. अर्थ परिवर्तन के कारणों का विवेचन कीजिए ।
6. अपश्रुति से क्या समझते हैं ? सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
7. नागरी लिपि की वैज्ञानिकता का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
8. कारक भेदों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
9. पारिवारिक वर्गीकरण से आप क्या समझते हैं ? सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणीयाँ लिखिए :–
    (क) बिहारी बोलियाँ
    (ख) पार्श्विक ध्वनि
    (ग) ग्रीक भाषा
    (घ) दन्त

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2016

M.A. Sanskrit, Part–I

Date	*Paper*	*Time*	*Examination Centre*
02.04.2016	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
04.04.2016	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
06.04.2016	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
08.04.2016	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
11.04.2016	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
12.04.2016	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
14.04.2016	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
16.04.2016	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–IV

(भारतीय दर्शन एवं संस्कृति)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

प्रत्येक खण्ड से दो–दो प्रश्न का चयन करते हुये, कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड 'क' (भारतीय दर्शन)

1. भारतीय दर्शन–सम्प्रदायों की महत्त्वपूर्ण विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
2. सांख्य योग दर्शन का परिचय दीजिए ।
3. जैन–दर्शन में बन्ध और मोक्ष की कैसी कल्पना है, स्पष्ट कीजिए ।
4. यमों का परिचय देते हुये योग के आधुनिक महत्त्व को समझाइए ।
5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणी लिखिए :–
   (क) उपमान प्रमाण
   (ख) समवांयी कारण
   (ग) प्राणायाम
   (घ) द्वैतवाद

खण्ड 'ख' (भारतीय संस्कृति)

6. भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषताओं का निरूपण कीजिए ।
7. ऋग्वैदिक समाज का परिचय दीजिए ।
8. संस्कार के अर्थ और महत्त्व का विवेचन कीजिए ।
9. आश्रम व्यवस्था का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणी लिखिए :–
    (क) संयुक्त परिवार
    (ख) मोक्ष
    (ग) पंच महायज्ञ
    (घ) जैन–बौद्ध धर्म में दान

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–V

(संस्कृतेतर भारतीय भाषाएँ)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. पालि अभिलेखों का परिचय दीजिए ।
2. अनुपिटक साहित्य का परिचय दीजिए ।
3. संस्कृत–काव्यशास्त्रों में प्राकृतपद्यात्मक उदाहरणों का विवेचन कीजिए ।
4. अपभ्रंश में रचित चरित एवं कथा–काव्यों का परिचय दीजिए ।
5. आदिकालीन हिन्दी साहित्य का विवेचन कीजिए ।
6. द्विवेदी युग के प्रमुख रचनाकारों का परिचय दीजिए ।
7. छायावाद के दो प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए ।
8. बंगला–साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन करते हुए सभी कालों का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
9. पल्लव राजवंश के राजाओं के काल को तमिल–साहित्य में भक्ति–युग क्यों कहा जाता है ? युक्तियुक्त उत्तर दीजिए ।
10. तेलुगु के राम–काव्य का परिचय दीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–VI

(संस्कृत व्याकरण)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. प्रत्याहार का क्या अर्थ है ? प्रत्याहार विधायक सूत्र का वर्णन करते हुये अच्, अण्, हल् और अल् प्रत्याहार में कौन–कौन वर्ण सम्मिलित हैं ?

2. वर्णों के उच्चारण–स्थान से आप क्या समझते हैं ? स्पर्श, अन्तःस्थ और ऊष्म वर्ण बताइए ।

3. स्वर संधि किसे कहते हैं ? इसके विभिन्न भेदों को सोदाहरण बताइए ।

4. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) स्तोः श्चुना श्चु (ख) खरि च
   (ग) अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः (घ) नश्छव्यप्रशान्
   (ङ) विसर्जनीयस्य सः (च) हशि च
   (छ) ससजुषो रुः (ज) भो–भगो–अघो–अ–पूर्वस्य योऽशि

5. सूत्रनिर्देश पूर्वक किन्हीं ***चार*** की रूप सिद्धि कीजिए :–
   (क) रामष्षष्ठः (ख) यशांसि
   (ग) सम्राट् (घ) वागीशः
   (ङ) हरिः शेते (च) अहरहः
   (छ) हरिं वन्दे (ज) एतन्मुरारिः

6. कारक किसे कहते हैं ? सम्बन्ध और सम्बोधन को कारक क्यों नहीं माना गया है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

7. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों के अर्थ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए :–
   (क) कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे (ख) सहयुक्तेऽप्रधाने
   (ग) नमः–स्वस्ति–स्वाहा–स्वधा–अलं–वषड्–योगाच्च (घ) जनिकर्तुः
   (ङ) यतश्च निर्धारणम् (च) यस्य च भावेन भावलक्षणम्
   (छ) परिक्रयणे सम्प्रदानम् अन्यतरस्याम् (ज) येनाङ्गविकारे

8. बहुब्रीहि समास किसे कहते हैं ? इसके विभिन्न भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पदों की समासविग्रह पूर्वक रूपसिद्धि कीजिए :–
   (क) राजदन्तः (ख) पाणिपादम्
   (ग) हरिहरौ (घ) यूपदारू
   (ङ) राजपुरुषः (च) अधिगोपम्
   (छ) पञ्चगङ्गम् (ज) कृष्णसर्पः

10. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या करें :–
    (क) संख्या–पूर्वो द्विगुः (ख) उपमानानि सामान्यवचनैः
    (ग) अनेकमन्यपदार्थे (घ) द्वितीया–श्रितातीत पतित–गतात्यस्त–प्राप्तापन्नैः
    (ङ) पञ्चमी भर्येन (च) तत्पुरुष समानाधिकरणः कर्मधारयः
    (छ) सप्तमी शौण्डे (ज) अजाद्यदन्तम्

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–VII

(भारतीय काव्यशास्त्र)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. आचार्य मम्मट के द्वारा प्रस्तुत काव्य लक्षण का मूल्यांकन कीजिए ।
2. आचार्य कुन्तक की काव्य–परिभाषा की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए ।
3. महाकाव्य का लक्षण निरूपण कीजिए ।
4. कथा और आख्यायिका का भेद स्पष्ट कीजिए ।
5. ध्वनिकाव्य के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके प्रमुख भेदों का उल्लेख कीजिए ।
6. शब्द–शक्तियों का परिचय दीजिए ।
7. काव्य–गुणों पर प्रकाश डालिए ।
8. साधारणीकरण के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए रसानुभूति में उसकी भूमिका पर विचार कीजिए ।
9. रस सम्प्रदाय में रीति का स्थान स्पष्ट कीजिए ।
10. निम्नलिखित अलंकारों का सोदाहरण विवेचन कीजिए :–
    श्लेष, विभावना, अनुप्रास, परिसंख्या ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
एम०ए० (संस्कृत)
पार्ट–I, पत्र–VIII (संस्कृत रचना)
वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, जिसमें प्रश्न सं०–1 अनिवार्य है । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. किसी एक विषय पर संस्कृत में कम–से–कम 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए :–
   (क) वैश्विकीकरणम् (ख) संगणकः (ग) भूमण्डलीकरणयुगे साहित्यस्य स्थितिः

2. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :–
   (क) गुरु शिष्य को पढ़ाता है । (ख) ज्ञान के बिना सुख नहीं है ।
   (ग) नदी एक कोस तक टेढ़ी है । (घ) बालक को दूध अच्छा लगता है ।
   (ङ) सीता नहाकर पूजा करती है । (च) बालक शेर से डरता है ।
   (छ) पिता के साथ पुत्र आता है । (ज) छात्रों को नियमपूर्वक पढ़ना चाहिए ।

3. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :–
   गत्वा, ह्यः, प्रातः, सार्धम्, श्रेष्ठः, सर्वत्र, पठितुम्, पाठयति

4. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–
   एकस्मिन् नगरे चत्वारः ब्राह्मणपुत्रा परस्परं मित्रभावेन वसन्ति स्म । तेषां त्रयः शास्त्रपारंगताः परन्तु बुद्धिहीनाः आसन् । एकस्तु बुद्धिमान् परं शास्त्र–पराङ्मुखः आसीन् । तस्य नाम सुबुद्धिः आसीत् । अथ कदाचित् तैः मन्त्रितम्–को गुणो विद्यायाः यदि देशान्तरं गत्वा धनोपार्जनम् न क्रियते । ततः ते पूर्वदेशं प्रति प्राचलन् ।
   तथाऽनुष्ठिते तैः मार्गे अख्यो कानिचित् अस्थीनि अपश्यन् । ततः एकेन उक्तम् अहो अद्य विद्यायाः प्रयोगं कुर्मः । किञ्चिदेतत् सत्वं मृतं तिष्ठति । तद् विद्याप्रभावेन जीवितं कुर्मः । अहमस्थिसञ्चयं करोमि । ततः तेन अस्थिसञ्चयः कृतः । द्वितीयेन चर्ममांसरुधिरं संयोजितम् । तृतीयोऽपि यावज्जीवनं सञ्चारयति तावत्सुबुद्धिना निषिद्धः 'भो तिष्ठतु भवान् । एषः सिंह प्रतीयते । यद्येनं सजीवं करिष्यसि ततः सः सर्वानपि व्यापादयिष्यति ।
   इति श्रुत्वा तेन कथितम् 'धिङ् मूर्ख । नाऽहं विद्यायाः विफलतां करोमि ।' ततः सुबुद्धिः अवदत् 'तर्हि प्रतीक्षस्व क्षणमेकम् यावदहं वृक्षमारोहामि ।' इति कथयित्वा सः वृक्षम् आरोहत् । तदा तृतीयेन ब्राह्मणेन यावत् तस्मिन् प्राणाः सञ्चारिताः तावत् तेन जीवितेन सिंहेन त्रयोऽपि व्यापादिताः । तत्पश्चात् सुबुद्धिः वृक्षादवतीर्थ गृहं गतः । अतः व्यावहारिकं ज्ञानम् अपेक्ष्यते ।
   (क) नगरे कति ब्राह्मणपुत्राः अवसन् । (ख) शास्त्रपराङ्मुखस्य नाम किम् आसीत् ?
   (ग) तेषां त्रयः कीदृशा आसन् ? (घ) ते धनोपार्जनाय कुत्र प्राचलन् ।
   (ङ) ते मार्गे किम् अपश्यन् ? (च) ते कं जीवितम् अकुर्वन् ?
   (छ) ब्राह्मणपुत्राणां मध्ये कस्य बुद्धिः व्यापहारिकी आसीत् ? (ज) उपयुक्तं शीर्षकं लेखनीयम् ?

5. अपने मित्र को होली की छुट्टी में आने के लिए निमंत्रण पत्र लिखिए ।

6. अपने प्राचार्य को आर्थिक सहायता के लिए संस्कृत में एक आवेदन–पत्र लिखिए ।

7. उचित शीर्षक देते हुये निम्नलिखित गद्यांश का संक्षेपण कीजिए :–
   नूनमन्वर्थकम् इदम् ऋतुराज इति नाम वसन्तस्य । स हि सवलिसतामूलं जडतां च दूरत एव परिवर्जयति । शिशिरस्य विनाशकः परिहरतितराम् शैत्यस्य उग्रताम्, उदग्रतमां च सकललालाटन्तपस्य सूर्यस्य उष्णताम् च । स्वयमनुसरति नातिमृदु नातितीक्ष्णं च पन्थानम् । अतएव प्राप्नोति आत्मने सर्वलोकप्रियताम् । दूरत एवं अपसरित भुवनकष्टदायी शिशिर ऋतुः । सर्वतः अवकीर्यते मधुशीकरार्द्रः सुगन्धिः कुसुमपरागः विविध पुष्पाणाम् । परितः नवोद्गतैः पल्लवजालैः समाबध्नन्ति च नेत्राणि आम्रपादपाः । स्थाने–स्थाने ऋतुराजगुणान् गायताम् पिककुलानां निनदः प्रसरति ।

8. निम्नलिखित का संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद कीजिए :–
   कालिदासः मेघदूतं रचितवान् । मेघदूते मानसूनविज्ञानस्य अद्भुतं वर्णनं अस्ति । मानसूनसमयः आषाढ़मासात् प्रारभते । श्याममेघान् दृष्ट्वा सर्वे जनाः प्रसन्नाः भवन्ति । मानसूनमेघाः सर्वेषां जीवानां कष्टं अपहरन्ति । मेघानां जलं वनस्पतिभ्यः पशुपक्षिभ्यः किं चा सर्वेभ्यः प्राणिभ्यः जीवनं प्रयच्छति । मेघजलैः भूमेः उर्वराशक्तिः वर्धते ।

9. रिक्त स्थानों की पूर्ति सामने दिए गए पदों के विकल्प से चयन कर कीजिए :–
   (i) .....सह याति कौमुदी । (शशिना, शशिः) (ii) माथुराः.....आढ्यतराः । (पाटलिपुत्रेभ्यः, पाटलिपुत्रम्)
   (iii) कृष्णः.....निलीयते स्म । (मातुः, मातरम्) (iv) सः उद्यानं.....पुष्पाणि चिनोति । (गत्वा, गच्छसि)
   (v) अस्य.....रचयिता अहम् । (पुस्तकम्, पुस्तकस्य) (vi) .....द्रौपदी अग्रगण्या । (नारीषु, नारीं)
   (vii) .....विद्या गरीयसी । (धनेन, धनात्) (viii) सीतां.....बालकाः गच्छन्ति । (पठित्वा, दृष्ट्वा)
   (ix) मया चन्द्रः.....। (दृश्यते, पश्यते) (x) प्रकाशे सति.....अन्धकारः । (कुतः, आम्)
   (xi) शिष्याः गुरुभिः.....। (शिक्ष्यन्ते, शिक्षन्ति) (xii) .....मेघाः गर्जन्ति तदा मयूराः नृत्यन्ति । (यदा, कदा)
   (xiii) विद्यां विना जीवनं.....भवति । (वृथा, नूनम्) (xiv) सर्वम्.....इदं ब्रह्म । (खलु, न्यूनम्)
   (xv) अश्वस्य.....पादाः सन्ति । (चत्वारः, चतस्त्रः) (xvi) वयं.....विद्यालयं गच्छामः । (पठितुम्, पठितवान्)

10. (क) निम्नलिखित पदो के पद–विग्रह लिखिए :–
    जितेन्द्रियः, शुभानना, केशाकेशि, पुत्रौ, नीलकण्ठः, मृगनयनी, दशाननः, पितरौ
    (ख) अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द लिखिए :–
    (i) शब्दं करोति । (ii) पुष्पं धनुर्यस्य स । (iii) विद्या एव धनं यस्य सः ।
    (iv) लब्धं यशः येन सः । (v) श्रोतुम् इच्छति । (vi) आत्मनः यशः इच्छति ।
    (vii) वसुदेवस्य अपत्यं पुमान् । (viii) समानः पतिः यस्याः सा ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–IX

(वेद तथा उपनिषद्)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. अग्नि की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।
2. वैदिक देवता के रूप में सूर्य का परिचय दीजिए।
3. निम्न मंत्रों की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :–
   (क) अग्ने यं यज्ञमंध्वरं विश्वतः परिभूरसिं। स इद्देवेषुं गच्छति।
   (ख) यो रध्रस्यं चोदिता यः कृशस्य यो ब्रह्मणो नाधंमानस्य कीरेः।
   युक्तग्रांव्णो योंऽविता सुंशिप्तः सुतसोमस्य स जंनास इन्द्रं।।
4. "उषा" के विभिन्न नामों का विश्लेषण कीजिए।
5. शिव–संकल्प–सूक्त का परिचय दीजिए।
6. "अक्षराभ्यास की संहिता जीवन में महासंहिता बने" – इसे स्पष्ट कीजिए।
7. स्वाध्याय और प्रवचन के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
8. "सांमनस्यम्" में ऋषि ने कौन–कौन से उपदेश दिए हैं?
9. याज्ञवल्क्य ने मैत्रेयी को क्या–क्या उपदेश दिए?
10. निम्न मंत्रों में से किन्हीं दो की व्याख्या संस्कृत में कीजिए :–
    (क) "आत्मा वा अरे द्रष्टव्यः श्रोतव्यो मन्तव्यो निदिध्यासितव्यः"।
    (ख) "इदं सर्व यदयमात्मा"।
    (ग) "सर्वेषां वेदानां वागेकायनम्"।
    (घ) "न प्रेत्य संज्ञाऽस्ति इति अरे ब्रवीभि इति"।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2016

M.A. Sanskrit, Part-II

Date	Papers	Time	Examination Centre
02.06.2016	Paper-IX	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
04.06.2016	Paper-X	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
06.06.2016	Paper-XI	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
08.06.2016	Paper-XII	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
10.06.2016	Paper-XIII	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
14.06.2016	Paper-XIV	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
16.06.2016	Paper-XV	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
18.06.2016	Paper-XVI	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–X

(प्राचीन संस्कृत पद्य काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे | पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. महाकाव्य की विशेषताएँ बताते हुए संस्कृत के प्रमुख महाकाव्यों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
2. वाल्मीकि का परिचय दीजिए।
3. किष्किन्धाकांड में प्रकृति और उसके मानवीकरण पर प्रकाश डालिए।
4. किष्किन्धाकांड में वाल्मीकि के काव्य शिल्प का चित्रण कीजिए।
5. गीता में आत्म तत्त्व का निरूपण कीजिए।
6. भक्त के लक्षण बताते हुए भगवत् प्राप्ति के साधनों का उल्लेख कीजिए।
7. निम्नलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिए:–

   (क) अविनाशि तु तद्विद्धि येन सर्वमिदं ततम्
   विनाशमव्ययस्यास्य न कश्चित्कर्तुमर्हति।।

   (ख) तुल्यनिन्दास्तुतिर्मौनी संतुष्टो येन केचचित्
   अनिकेतः स्थिरमतिर्भक्तिमान् मे प्रियो नरः ।

8. महाभारत के उद्योग पर्व का सारांश लिखिए।
9. नीतिकाव्य और उपदेश काव्य में क्या अन्तर हैं, स्पष्ट कीजिए।
10. विदुर नीति का स्त्रोत एवं परिचय दीजिए।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–XI

(मध्यकालीन तथा आधुनिक संस्कृत-काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. किन्हीं दो पद्यों की व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए :
   (क) सा पद्मरागं वसनं वसाना पद्मनना पद्मदलायताक्षी।
   पद्मा विपद्मा पतिदेव लक्ष्मीः शुशोष पद्मस्रगिवातपेन।।
   (ख) सेवार्थ–मादर्श–मनन्यचितो विभूषयन्त्या मम धारयित्वा।
   विभर्ति सोऽन्यस्य जनस्य तं चेन् नमोस्तु तस्मै चल–सौह्रदाय।।
   (ग) वैदर्भ निर्दिष्टमसौ कुमारः क्लृप्तेन सोपानपथेन मञ्चम् ।
   शिलाविभङ्गैः मृगराजशावः तुङ्ग नगोत्सङ्ग मिवारूरोह।।
   (घ) तां सैव वेत्र–ग्रहणे नियुक्ता राजान्तरम् राज–सुतां निनाय।
   समीरिणोत्थेव तरङ्ग–लेखा पद्मान्तरं मानस राजहंसीम्।।

2. निम्न पद्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :
   (क) तेषां महार्हासन–संस्थितानाम् उदारनेपथ्यभृतां स मध्ये।
   रराज धाम्ना रघुसूनुरेव कल्पद्रुमाणामिव पारिजातः।।
   (ख) अथ स्तुते बन्दिभिः अन्वयज्ञैः सोमार्कवंश्ये नरदेवलोके।
   संचारिते चागुरू–सार–योनौ धूपे समुत्सर्पति वैजयन्तीः।।
   (ग) सूर्य एवास्ति केन्द्रं समासांभुवाम् इन्दवे सैव दत्ते तथा कौमुदीम्।
   आत्मजोऽहं तदीयोऽस्मिन् दिव्योऽपरः काऽस्ति कीदृग्व्यथामेऽत्र दिव्यात्मनः।।
   (घ) राधेयः कौन्तेडयोऽथवाऽङ्ग राजोऽमेव–मित्यथवा।
   जानेऽहमपि न किंञ्चिचद् दिवाकरो मां प्रबोधयतात्।।

3. वेदों के काव्य–सौष्ठव का विवेचन कीजिए।

4. महाभारत को विकसमान महाकाव्य (epic of growth) कहा गया है, इसकी विवेचना कीजिए।

5. भामह द्वारा दिए गए महाकाव्य–लक्षण की आलोचना कीजिए।

6. महाकाव्य के रूप में सौन्दरनन्द की समीक्षा कीजिए।

7. सुन्दरी के विलाप का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

8. कालिदास की नाट्यकृतियों का विवेचन कीजिए।

9. रघुवंश की कथावस्तु का विवेचन कीजिए।

10. भारवि के किरातार्जुनीय की समीक्षा महाकाव्य के रूप में कीजिए।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–XII

(गद्यकाव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. 'बाणः कवीनामिह चक्रवर्ती' इस प्रशस्ति का निरूपण कीजिए ।
2. निम्नलिखित संदर्भों में किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए :–
   (क) अपरिणामोपशमो दारुणो लक्ष्मीमदः ।
   (ख) दिवसकरगतिरिव प्रकटितविविध संक्रान्तिः ।
   (ग) अहंकार–दाहज्वर –मूर्च्छान्धकारिता विह्वला हि राजप्रकृतिः ।
3. यौवन के दोषों का वर्णन करते हुए गुरूपदेश के महत्त्व को अपने शब्दों में लिखिए ।
4. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** का अनुवाद हिन्दी में कीजिए :–
   (क) अयमेव चानास्वादित–विषयरसस्य ते काल उपदेशस्य । कुसुमशर–शर–प्रहार–जर्जरिते च हृदि जलमिव गलत्युपदिष्टम् । अकारणं च भवति दुष्प्रकृतेरन्वयः श्रुतं वा विनयस्य । चन्दनप्रभवो न दहति किमनलः किं वा प्रशमहेतुनापि न प्रचण्डतरीभवति वडवानलो वारिणा ?
   (ख) इयं हि सुभट–खड्गमण्डलोत्पलवन–विभ्रम–भ्रमरी लक्ष्मीः क्षीरसागरात् पारिजात–पल्लवेभ्यो रागम्, इन्दुशकलाद् एकान्तवक्रता, उच्चैःश्रवसः चञ्चलताम्, कालकूटान्मोहन–शक्तिम्, मदिराया मदम्, कौस्तुभमणेः नैष्ठुर्यम–इत्येतानि सहवास–परिचयवशाद् विरहविनोद–चिह्नानि गृहीत्वेवोद्गता ।
   (ख) ग्रहैरिव गृह्यन्ते, भूतैरिवाभिभूयन्ते, मन्त्रैरिवावेश्यन्ते, सत्त्वैरिवावष्टभ्यन्ते, वायुनेव विडम्ब्यन्ते, पिशाचैरिव ग्रस्यन्ते, मदनशरैर्ममहिता इव मुखभङ्गसहस्राणि कुर्वते, धनोष्मणा पच्यमाना इव विचेष्टन्ते, कुलीरा इव तिर्यक् परिभ्रमन्ति।
5. मैत्रीबल जातक की विषय–वस्तु प्रस्तुत कर इसमें निहित सन्देश का निरूपण कीजिए ।
6. शिबिजातक के आधार पर राजा और अमात्यों के बीच संवाद का निरूपण अपने शब्दों में कीजिए ।
7. निम्नलिखित संदर्भों का अनुवाद कीजिए :–
   (क) अथ तस्य राज्ञः क्रमात् संरूढनयन व्रणस्य अवगीत प्रतनूभूतान्तः पुर–पौरजानपदशोकस्य प्रविवेककामत्वात् उद्यानपुष्करिण्यास्तीरे–भारावनत–रूचिर तरूवरनिचिते मृदुसुरभिशिशिरसुखपवने मधुकरगणोपक्जिते पर्यङ्केण मिषण्णस्य शक्रो देवेन्द्रः पुरस्तात् प्रादुरभवत् ।
   (ख) विडम्बनेवाविनयोद्धतानां दुर्मेधसामापदिवातिकष्ठा अल्पात्मनां या मदिरेव लक्ष्मीर्बभूव सा तत्र यथार्थनामा ।
8. अम्बिकःदन्तव्यास गद्यशैली का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
9. निम्नलिखित किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए :–
   (क) अरूण एष प्रकाशः पूर्वस्यां भगवतो मरीचिमालिनः । एष भगवान् मणिराकाशमण्डलस्य, चक्रवर्ती खेचरचक्रस्य, कुण्डलमाखण्डल–दिशः दीपको ब्रह्माण्ड भाण्डस्य, प्रेयान् पुण्डरीक–परलस्य, शोकविमोकः कोकलोकस्य, अवलम्बो रोलम्बकदम्बस्य, सूत्रधारः सर्वव्यवहारस्य इनश्च दिनस्य।
   (ख) तस्मिन् पर्वते आसीदेको महान् कन्दरः । तस्मिन्नेव महामुनिरेकः समाधौ तिष्ठति स्म । कदा स समाधिमङ्गीकृतवानिति कोऽपि न वेत्ति । तं केचित् कपिल इति, अपरे लोमश इति, इतरे जैगीषण्य इति, अन्ये च मार्कण्डेय इति विश्वसन्ति स्म ।
   (ग) महाराष्ट्रदेशरत्नम्, यवनशोणित–पिपासाकुलकृपाणः वीरता–सीमन्तिनी–सीमन्त–सुन्दर–सान्द्र सिन्दूर–दान–देदीप्यमान–दोर्दण्डः, मुकुटमणिर्महाराष्ट्राणाम्, भूषणं भटानाम्, मिधिर्नीतीनाम् कुलभवनं कौशलानाम्, शिवइव धृतावतारः शिववीरः सिंहदुर्गे ससेनो मिवसति।
10. पं० रामकरण शर्मा की कृतियों तथा उनकी शैली का संक्षिप्त निरूपण कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–XIII

(संस्कृत रूपकम्)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. रूपक से आप क्या समझते हैं? इसकी विशेषताओं का विवेचन कीजिए।
2. नायक तथा नायिका को परिभाषित करते हुए उसके भेदों पर प्रकाश डालें।
3. रूपक के उद्‌भव पर प्रकाश डालते हुए इसके क्रमिक विकास की विवेचना करें।
4. मृच्छकटिक की नायिका का चरित्र–चित्रण करें।
5. मुद्राराक्षस की कथावस्तु का विवेचन करें।
6. मुद्राराक्षस के आधार पर चाणक्य का चरित्र–चित्रण करें।
7. अभिज्ञानशाकुन्तल के आधार पर दुष्यन्त का चरित्र–चित्रण करें।
8. उत्तर रामचरित के नामकरण की सार्थकता का वर्णन करें।
9. अपूर्व प्रतिशोध के कथावस्तु की समीक्षा कीजिए।
10. नीड निर्माण शीर्षक की सार्थकता एवं कवि के उद्‌देश्य पर प्रकाश डालें।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–XIV

(व्याकरण)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

खण्ड "अ" एवं खण्ड "ब" से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड–"अ"

1. निम्नलिखित सूत्रों में किन्हीं **चार** सूत्रों की व्याख्या कीजिए :–
   (क) शाङ्र्गखाद्यञोः ङीन् (ख) पत्युर्नो यज्ञसंयोगे
   (ग) षिद्गौरादिभ्यश्च (घ) ऊङुतः (ङ) अजाघतष्टाप्
   (च) इन्द्र–वरूण–भव–शर्व–रूद्र, मृड–हिम–अरण्य–यव–यवन–मातुल–आचार्याणामानुक्

2. निम्नलिखित शब्दों की व्याख्या करते हुए उनके मूल प्रकृति–प्रत्ययों का निर्देश करें –
   (क) वीरपत्नी (ख) एकपत्नी
   (ग) सपत्नी (घ) भातृपत्नी

3. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं **चार** की सोदाहरण व्याख्या करें :
   (क) अपह्नवे ज्ञः (ख) नेर्विशः (ग) वेः पादविहरणे
   (घ) अनुपराभ्यांकृञः (ङ) व्याङ्परिभ्यो रमः (च) अभिप्रत्यतिभ्यः क्षिप

4. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं **चार** की सोदाहरण व्याख्या करें :
   (क) समानकर्न्टकयोः पूर्वकाले (ख) अचो यत् (ग) तयोरेव कृत्यक्तखलर्थाः
   (घ) कर्तरि कृत् (ङ) आभीक्ष्ण्ये णमुल्
   (च) लटः रातृशानचावप्रथमासमानाधिकरणे

5. निम्नलिखित पदरूपों में से किन्हीं **चार** की सिद्धि सूत्र निर्देशपूर्वक लिखें –
   (क) लभ्यम् (ख) एधितव्यम् (ग) गद्यम्
   (घ) अमावस्या (ङ) कार्यम् (च) पठितुम्
   (छ) शयनम्

खण्ड–"ब"

6. कृत्य प्रत्यय कितने हैं? उदाहरण सहित सभी का उल्लेख करें ।

7. निम्नलिखित किन्हीं **चार** पर टिप्पणी लिखें :

   उणादि, निष्ठा, भविष्यत्कालिक कृत्, निमित्तार्थक कृत्, शेषात्कर्तरि परस्मैपदम्, भाववाचक कृत्

8. आत्मनेपद प्रक्रिया से सम्बद्ध किन्हीं पाँच सूत्रों का निरूपण करें।

9. वाच्य के कितने प्रकार हैं? कर्मवाच्य एवं भाववाच्य के रूप बनाने में नियमों का सोदाहरण उल्लेख करें।

10. परस्मैपद की परिभाषा देते हुए इसका आत्मनेपद से अन्तर स्पष्ट करें ।

ꣿ ꣿ ꣿ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–XV

(संस्कृत शास्त्रों का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. भरत एवं उनके नाट्यशास्त्र का परिचय दीजिए।
2. भारतीय ज्योतिष के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।
3. ज्योतिष् साहित्य का स्वर्णिम काल किसे कहा जाता है? वराहमिहिर तथा आर्यभट्ट द्वितीय का परिचय दीजिए।
4. वेदों में आयुर्वेद का स्थान निर्धारित कीजिए।
5. आयुर्वेद के अवतरण के साथ–साथ आत्रेय और धान्वन्तर सम्प्रदाय के प्रमुख आचार्यों का परिचय दीजिए।
6. वर्गीकरण के साथ संस्कृत व्याकरण की परम्परा प्रदर्शित कीजिए।
7. कोश शास्त्रीय इतिहास पर निबंध लिखिए।
8. अमर सिंह के कोश की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
9. स्मृति ग्रन्थों पर प्रकाश डालिए।
10. भाष्य एवं निबन्धशास्त्रों का ऐतिहासिक परिचय दीजिए।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत), पार्ट–II, पत्र–XVI

(संस्कृत रचना)

वार्षिक परीक्षा, 2016

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए :–
   (क) भारवेरर्थ गौरवम् (ख) महाकविः कालिदासः (ग) काव्य प्रयोजनम्
2. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों का संशोधन करें :–
   (क) नूतनं वस्त्राणि परिधाय पूजनं कुरू। (ख) सा पवित्रः गङ्गाजलम् आनयति।
   (ग) नीलं गगने पक्षिणः शोभन्ते। (घ) त्वं द्वे वृक्षौ पश्यसि।
   (ङ) जीवेत् शरदं शतानि। (च) पृथिव्यां त्रीणि रत्नं सन्ति।
   (छ) भवान् नाम किम्? (ज) इदं गौः दुग्धं यच्छति।
   (झ) अयं पुरूषः अक्षिणाकाणः। (ञ) बलवान् मे लज्जा।
   (ट) नीरजः सुलेखः लिखितः। (ठ) परिश्रमेण विधा प्राप्यति।
   (ड) नृत्यन्तः मयूरौ मनांसि हरन्ति (ढ) मह्यं फलं रूचति।
   (ण) जनाः उद्यानेषु भ्रमति। (त) तस्त्र कलत्रं गुणवान् अस्ति।
3. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण कीजिए एवं समुचित शीर्षक लिखिए :–
   भारतीय–मनीषिभिः मनुष्याणां जीवनस्य चत्वारो भागाः कृता। तेषां प्रथमो ब्रह्मचर्यः द्वितीयो गृहस्थाश्रमः, तृतीयो वानप्रस्थः चतुर्थश्च संन्यासाभिधः विद्यते। ब्रह्मचर्यकालः एव मनुष्यस्य विद्याध्ययनकालः। अतः आयुषः सर्वाधिकः मूल्यवान् भागोऽयम्। अस्याः अवस्थायाः साम्यं न हि अन्या कापि अवस्था विदधातुं शक्नोति। अस्मिन् काले जीवनं निकासोन्मुखं भवित, इन्द्रियाणि सबलानि भवन्ति, बुद्धिश्च तीक्ष्णा भवति, स्मरणशक्तिः उत्तमा जायते। अयमेव समयः भाविजीननिर्माणस्य। अतः छात्राणां मुख्यं कर्त्तव्यमस्ति विद्याध्ययनम्। परं शरीरस्य मनसः बुद्धेश्च विकासोऽपि अनिवार्यः। यतोहि एषां विकासेन एव जीवने साफल्यं जायते। यूनां विकासेन राष्ट्रविकासो भवति। यतोहि युवानः राष्ट्रस्य आधारः। विद्यार्थि–जीवने ब्रह्मचर्यस्य पालनम् अतीव आवश्यकम्। ब्रह्मचर्याचरणात् शरीरे बलं वर्द्धते उत्साहश्चापूर्वो उत्पद्यते। विद्यार्थीजीवनस्य मुख्योद्देश्यं विद्यार्धनं सदाचारसंयुतं यतनीयम्।
4. निम्नलिखित सूक्तियों में से किन्हीं दो की संस्कृत में व्याख्या कीजिएः
   (क) सत्यमेव जयते (ख) वसुधैव कुटुम्बकम् (ग) बुद्धिर्यस्य बलं तस्य
5. कारक किसे कहते हैं? कारक एवं विभक्ति में अंतर स्पष्ट करें।
6. निम्नलिखित रेखांकित शब्दों में किन्हीं चार का सूत्र निर्देशपूर्वक विभक्ति–निर्देश कीजिएः
   (क) पयसा <u>ओदनं</u> मुङ्क्ते। (ख) <u>मासेन</u> व्याकरणम् अधीतम्।
   (ग) <u>अध्ययनात्</u> विरमति। (घ) <u>वृक्षात्</u> पत्राणि पतन्ति।
   (ङ) <u>कविषु</u> कालिदासः श्रेष्ठः। (च) <u>विष्णवे</u> नमः
7. वाच्य परिवर्तन कीजिए :
   (क) रमेशः ग्रामं गच्छति। (ख) त्वं वार्ताः श्रृणोसि। (ग) जनाः धनम् इच्छन्ति
   (घ) माता पुत्रं दुग्धं पाययति। (ङ) बालकेन शुकः हस्ते नीयते। (च) सा सत्यं वदति।
   (छ) गुरूणा प्रश्नं पृच्छ्यते। (ज) वयं विद्याम् इच्छामः। (झ) एकः चन्द्रः तमो हरति।
   (ञ) कन्या गीतिम् गायन्ति। (ट) पिता पुत्राय धनं ददाति। (ड) शिष्याः गुरून् नमन्ति।
   (ढ) बालकः कन्दुकेन क्रीडति। (ठ) राजा बाणेन सिंह हन्ति। (ण) तेन रूद्यते।
   (त) सर्वे विदुषः पूजयन्ति।
8. समाज विग्रह करते हुए समास का नाम बताएँः
   (क) चन्द्रशेखरः (ख) कुम्भकारः (ग) कृष्णसर्पः (घ) भूतपूर्वः
   (ङ) त्रिलोकी (च) पितरौ (छ) सुमद्रम् (ज) यथाशक्ति
9. संधि विच्छेद करते हुए संधि का नाम बताइए :
   (क) धर्मार्थः (ख) गिरीशः (ग) यद्यपि (घ) मनीषा
   (ङ) नरेशः (च) तल्लीनः (छ) नयनः (ज) अजन्तः
10. (i) निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखें :
    (क) शीतलः (ख) प्रातः (ग) मानवः (घ) हर्षः
    (ङ) शान्तः (च) प्रसन्नः (छ) पुरस्कारः (ज) अधिकः

    (ii) निम्नलिखित शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखें :
    (क) गणेशः (ख) देवता (ग) पृथ्वी (घ) आकाश
    (ङ) नारी (च) अग्नि (छ) विद्वान् (ज) वृक्षः

ꕥ ꕥ ꕥ